श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 38, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार, 13 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

भारत और चीन चीन के बीच कमांडर स्तर की बातचीत फिर बेनतीजा, तनाव बरकरार

नई दिल्ली, पीटीआइ। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम करने के लिए भारत और चीन के शीर्ष कमांडरों के बीच शनिवार को फिर बातचीत हुई। चुशूल में दिन में 11 बजे से लेकर तीन बजे तक बातचीत चली। हालांकि यह बातचीत भी बेनतीजा रही। मालूम हो कि चीन की सेना पीएलए की ओर से सात सितंबर को भारतीय क्षेत्र में कब्जा करने की मंशा से की गई उकसाने वाली कार्रवाई के बाद से दोनों देशों के सैन्य प्रतिनिधियों के बीच बातचीत का दौर जारी है। इस सिलसिले में

शनिवार को फिर बातचीत हुई जिसमें कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। अगले कुछ दिनों में सैन्य प्रतिनिधियों की एक और उच्चस्तरीय बैठक होगी। भारत के कोर कमांडर लेफ्टीनेंट जनरल हरिंदर सिंह और चीन के मेजर जनरल लियु लिन के बीच दो अगस्त के बाद से कोई बातचीत नहीं हुई है। सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच भरोसा बिल्कुल खत्म हो गया है। दूसरी ओर चीन और पाक से निपटने के लिए भारतीय वायुसेना ने डेढ़ साल पहले से पश्चिमी मोर्चे पर अपनी ताकत बढ़ानी शुरू कर दी है। सनद रहे कि गुरुवार को मास्को में विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष के बीच लंबी वार्ता हुई थी। इस वार्ता के बाद दोनों देशों ने संयुक्त साझा बयान जारी जिससे साफ है कि पूर्वी लद्दाख में जारी सैन्य तनाव शीघ्र खत्म नहीं होने जा रहा है। वैसे तो दोनों मंत्रियों के बीच सैन्य तनाव खत्म करने के लिए पांच सूत्रीय फामूर्ले पर सहमति बनी लेकिन चीन पूर्व की स्थिति बहाल करने से मुकर रहा है। चीनी सेना की तरफ से एलएसी पार करने की कोशिश के बाद से अभी तक दोनों सेनाओं के बीच कई दौर की लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की या कोर कमांडर स्तर की बातचीत हो चुकी है लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है।

प्रतापगढ़ में सपा जिलाध्यक्ष भेजे गए जेल समर्थकों का हंगामा, पुलिस ने भांजी लाठी

प्रतापगढ़ ,जेएनएन। मानिकपुर थाना क्षेत्र के बुलाकीपुर गांव में शुक्रवार को जमीन की रंजिश में अनुसूचित जाति के कुनबे पर गुर्गों के साथ हमला करना समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष को महंगा पड़ गया। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके पुलिस ने सपा जिलाध्यक्ष और उनके निजी सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया। वहीं जेल ले जाते समय सपा कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। पुलिस को लाठी भांजकर उन्हें भगाना पड़ा।

सपा जिलाध्यक्ष को गिरफ्तार कर ले जाती पुलिस

बुलाकीपुर गांव की अनुसूचित जाति की गायत्री पत्नी अर्जुन की सपा जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव से जमीन पर कब्जे को लेकर रंजिश चल रही है। इस बीच गायत्री का आरोप है कि शुक्रवार को दोपहर करीब 12 बजे सपा जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव अपने निजी गार्ड राम सिंह यादव और तीन अज्ञात समर्थकों के साथ असलहों से लैस होकर सफारी से पहुंचे। फिल्मी स्टाइल में गाड़ी से नीचे से उतरकर उसके घर पहुंचे और गाली गलौच करते हुए मारने पीटने लगे। उसके पति अर्जुन व बेटे लवलेश को मारा-पीटा। रोकने पर महिलाओं से अभद्रता की। इस मामले में गायत्री देवी की तहरीर पर पुलिस ने सपा जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव, निजी गार्ड राम सिंह यादव और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट, बलवा एवं एससी-एसटी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। इस बीच शनिवार को दोपहर मानिकपुर एसओ सुभाष यादव को सूचना मिली कि सपा जिलाध्यक्ष अपने समर्थकों के साथ घर से निकलकर कुंडा की ओर जा रहे हैं। इस पर एसओ ने फोर्स के पास दोपहर 12.15 बजे कुंडा बाईपास से सपा जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव और गार्ड राम सिंह यादव निवासी मऊदारा मानिकपुर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की सूचना मिलने के बाद एएसपी पश्चिमी दिनेश द्विवेदी, सीओ जितेंद्र सिंह परिहार मानिकपुर थाने पहुंचे। वहां पूछताछ के बाद पुलिस ने सपा जिलाध्यक्ष और गार्ड को जिला मुख्यालय स्थित न्यायालय में पेश किया।

हंगामा करते सपा कार्यकर्ता

जेल ले जाते समय समर्थकों का हंगामा, पुलिस ने लाठी भांजकर खदेड़ा

वहीं इस दौरान भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता आ गए। उन्होंने विरोध जताना शुरू किया तो पुलिस को उन्हें हटाने के लिए लाठी भांजनी पड़ी। सीओ जितेंद्र सिंह परिहार का कहना था कि छविनाथ यादव व राम सिंह यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। सपा कार्यकर्ता विरोध कर रहे थे, उन्हें किसी तरह हटाया गया। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

उद्धव सरकार से बढ़े विवादों के बीच महाराष्ट्र के राज्यपाल से कल मुलाकात करेंगी कंगना रनोट

मुंबई, एएनआइ। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनोट और महाराष्ट्र सरकार के बीच इन दिनों विवाद काफी बढ़ा हुआ है। इसी बीच कंगना रनोट महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से कल मुलाकात करेंगी। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में कंगना रनोट राज्यपाल के सामने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा उनके दफ्तर को तोड़े जाने और सुरक्षा को लेकर अपनी बात रख सकती हैं। प्रदेश के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पहले ही इस मामले को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के प्रमुख एडवाइजर अजॉय मेहता को तलब

भी किया था। मिल रही जानकारी के अनुसार राज्यपाल इस पूरे विवाद पर एक रिपोर्ट तैयार कर उसे केंद्र को भेजने वाले हैं।

कंगना और बीएमसी के बीच तकरार सोमवार को शुरू हुई थी, जब बीएमसी की एक टीम ने बिना किसी पूर्व सूचना के कंगना के ऑफिस में छापामारी के साथ तोड़फोड़ की थी। कंगना ने इसकी सूचना ट्विटर के जरिए फैंस तक पहुंचाई थी।

कंगना रनोट ने गुरुवार को टूटे-फूटे ऑफिस का दौरा करने के बाद फैसला लिया था कि वो इसका मरम्मत नहीं करवाएंगी। उसे इसी हाल में रखेंगी, जो एक औरत की इच्छाशक्ति की मिसाल बनेगा। बीएमसी ने कंगना के पाली हिल स्थित ऑफिस में अवैध निर्माण गिराने की कार्रवाई की थी। हालांकि कंगना का दावा है कि उनके दफ्तर में किसी तरह का अवैध निर्माण नहीं किया गया था।

वहीं, बीएमसी ने गुरुवार को हाई कोर्ट में अपना हलफनामा जमा किया, जिसमें कंगना के ऑफिस पर की गयी कार्रवाई को सही बताया। उन्होंने कहा कि कार्रवाई नियमों के तहत की गयी है। बीएमसी के हलफनामे पर कंगना के वकील को 14 सितम्बर तक जवाब देना है। इस जवाब के साथ कंगना को कुछ नये तथ्य रखने का मौका भी मिलेगा। वहीं, अब अगली सुनवाई 22 सितम्बर को होनी है।

पूर्व नौसेना अधिकारी ने उद्धव ठाकरे से मांगा इस्तीफा

कहा- शिवसेना कार्यकर्ताओं को देश से मांगनी चाहिए माफी

मुंबई, एएनआइ। मुंबई में शिवसैनिकों के हमले का शिकार हुए पूर्व नौसेना अधिकारी ने महाराष्ट्र सरकार से अपनी सुरक्षा को लेकर अपील की है। पूर्व नौसेना अधिकारी ने कहा कि वे लोग मेरे बच्चों और परिवार को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से निवेदन करता हूं कि वो मेरे परिवार को सिक्योरिटी प्रदान करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे के संगठन (शिव सेना) और उनके कार्यकताओं को देश से माफी मांगनी चाहिए। इस तरह की घटना दोबारा किसी के साथ नहीं होनी चाहिए। अपने ऊपर हुए हमले से क्रोधित मदन शर्मा ने कहा कि अगर उद्धव ठाकरे कानून व्यवस्था नहीं संभल रही है तो वो अपने पद से इस्तीफा दे दें। महाराष्ट्र के शिवसैनिकों द्वारा पूर्व नौसेना अधिकारी की पिटाई पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस घटना को अस्वीकार्य बताया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज पूर्व नौसेना अधिकारी मदन शर्मा से फोन पर बात की। जिसपर उन्होंने कहा कि देश के पूर्व सैनिक पर इस तरह का हमला बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं कामना करता हूं कि मदन जी

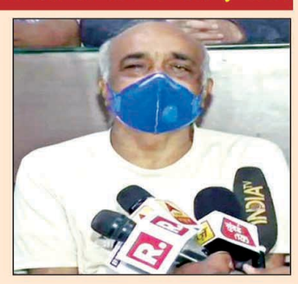

जल्द ठीक हो जाएं।

वहीं, आज ही महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने महाराष्ट्र सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि यह बहुत ही गलत और स्टेट स्पॉन्सर्ड टेरर वाली स्थिति है। उद्धव ठाकरे के सत्ता में रहते महाराष्ट्र में गुंडाराज की स्थिति बनी हुई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले में 10 मिनट में 6 आरोपियों को छोड़ दिया गया है।

मुंबई पश्चिमी उपनगर कांदीवली में शिवसैनिकों ने शुक्रवार को पूर्व नौसेना अधिकारी मदन शर्मा पर आधा दर्जन से अधिक शिवसैनिकों ने जानलेवा हमला कर दिया था। इस मामले में मुंबई पुलिस ने शिवसेना नेता कमलेश कदम समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया था, लेकिन उन्हें शनिवार सुबह समता नगर पुलिस स्टेशन ने ही जमानत दे दी।

सुप्रीम कोर्ट से प्रशांत भूषण की मांग, अवमानना मामले में बड़ी और अलग पीठ सुने अपील

नई दिल्ली, प्रेट्र। कार्यकर्ता अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दाखिल कर आपराधिक अवमानना मामलों में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ अपील (पुनर्विचार नहीं) का अधिकार मांगा है। उनकी यह भी मांग है कि उक्त अपील पर बड़ी और अलग पीठ सुनवाई करे। अधिवक्ता कामिनी जायसवाल के जरिये दाखिल याचिका में भूषण ने कहा है कि संविधान के तहत अपील का अधिकार एक मौलिक अधिकार है और अंतरराष्ट्रीय कानून में भी इसकी गारंटी दी गई है। संविधान के अनुच्छेद-14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद-19 (भाषण

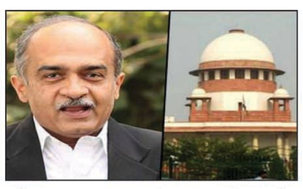

और अभिव्यक्ति की आजादी) और अनुच्छेद-21 (जीवन के अधिकार) के तहत दायर याचिका में कानून एवं न्याय मंत्रालय और शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री को पक्षकार बनाया गया है। इसमें मूल आपराधिक अवमानना मामले में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ इंट्रा-कोर्ट अपील मुहैया कराने के लिए नियम और दिशानिर्देश भी तैयार करने के निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में भूषण का कहना है कि अवमानना कार्यवाही में पीड़ित पक्ष भी सुप्रीम कोर्ट होता है और वही अभियोजक, गवाह और जज के रूप में भी काम करता है जो अंतर्निहित पूर्वाग्रह की आशंका बढ़ाता है। उनका कहना है, 'जज के तौर पर आरोपित को दोषी ठहराने और सजा देने की सुप्रीम कोर्ट की शक्ति असीमित और मनमानी है.. एक ही समय पर कोई भी याचिकाकर्ता और जज नहीं हो सकता। इसलिए, इंट्रा-कोर्ट अपील की जरूरत है।' भूषण ने कहा कि अवमानना कार्यवाही प्रकृति में अर्ध-आपराधिक है जो आपराधिक मुकदमे के समान है, इसलिए इसमें भी आपराधिक मुकदमों की तरह प्रक्रियागत सुरक्षा उपाय लागू होने चाहिए। लिहाजा आपराधिक अवमानना मामले में प्रक्रियागत बदलाव का सुझाव देते हुए उन्होंने एकतरफा, रोषपूर्ण और दूसरे की भावनाओं पर विचार किए बिना किए गए फैसले की आशंका दूर करने का अनुरोध किया है। मालूम हो कि न्यायपालिका के खिलाफ अवमानना वाले ट्वीट के लिए भूषण को सुप्रीम कोर्ट ने 31 अगस्त को दोषी करार दिया था और एक रुपये जुमार्ने की सजा दी थी। उन्हें शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में 15 सितंबर तक जुमार्ना राशि जमा करने का निर्देश दिया गया था।

शिवसेना नेता संजय राउत को फोन पर धमकी देनेवाला कथित दाऊद गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

मुंबई, एएनआइ। शिवसेना नेता संजय राउत को फिल्म एक्ट्रेस कंगना रनौत से जुबानी जंग कुछ ज्यादा ही भारी पड़ती नजर आ रही है। कंगना के कई फैन्स संजय राउत से बेहद नाराज हो गए हैं। ऐसे ही एक नाराज शख्स ने तो संजय राउत को फोन पर धमकी भी दे डाली। पुलिस ने इस शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। इस शख्स ने संजय राउत को अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबर से धमकी दी थी। इसने खुद को दाऊद इब्राहिम गिरोह के सदस्य बताया था। इसके बाद पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ता ने इस शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी शख्स की गिरफ्तारी को लेकर मुंबई एटीएस के डीसीपी विक्रम देशमान ने बताया कि जब हमने कॉल को ट्रेस किया, तो पता चला कि वो कोलकात का है। शुरूआती जांच में कुछ संकेत मिले है कि पहले भी वो कुछ अन्य राजनेताओं को धमकी भरे कॉल कर चुका है। देशमान ने बताया कि शख्स ट्रांजिट में है और 14 सितंबर को अदालत में पेस किया जाएगा। धमकी भरे फोन कॉल के बाद शिवसेना नेता संजय राउत के घर पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। गौरतलब है कि संजय राउत को सोशल नेटवर्किंग साइट पर कथित तौर पर धमकी देने वाले एक शख्स को भी गिरफ्तार किया गया है। इस शख्स ने दावा किया है कि वह अभिनेत्री कंगना रनौत का फैन है।

डीसीजीआइ ने कोरोना वैक्सीन के ट्रायल में नए लोगों को शामिल करने पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एएनआइ। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआइ) डा. वीजी सोमानी ने सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया को कोरोना वैक्सीन के दूसरे-तीसरे चरण के ट्रायल में नए लोगों को शामिल करने पर अगले आदेश तक रोक लगाने को कहा है।

डीसीजीआइ ने यह आदेश सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआइआइ) के जवाब पर दिया है। डीसीजीआइ ने चैडओक्स एनसीओवी-19 बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका को वैक्सीन का परीक्षण न रोकने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में ट्रायल में शामिल मरीजों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई थी। डीसीजीआइ ने एसआइआइ को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया था। जिस पर एसआइआइ ने अपना पक्ष रखा है। ऑक्सफोर्ड विवि के शोधकताओं के सहयोग से विकसित इस वैक्सीन से एक वालंटियर के गंभीर तौर पर बीमार होने पर कंपनी ने ट्रायल रोक दिया है। अमेरिका, इंग्लैंड, ब्राजील द.अफ्रीका समेत अन्य देशों में भी इस वैक्सीन का ट्रायल रोक दिया गया है।

डीसीजीआइ डा.वीजी सोमानी ने अपने आदेश में कहा कि आपका

जवाब और डाटा एंड सेफ्टी मॉनीटरिंग बोर्ड (डीएसएमबी) की सिफारिशों को देखने के बाद न्यू ड्रग्स एंड क्लीनिकल ट्रायल्स रूल्स-2019 के नियम 30 के तहत वैक्सीन के दूसरे और तीसरे चरण के ट्रायल में नए लोगों को शामिल करने पर रोक लगाई जा रही है। ट्रायल के दौरान जिन्हें पहले वैक्सीन दी गई है उनकी सुरक्षा की पूरी निगरानी को भी कहा गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि भविष्य में इस वैक्सीन का परीक्षण शुरू करने से पहले डीएसएमबी, भारत और डीएसएमबी, यूके से परीक्षण की मंजूरी से डीसीजीए को अवगत कराया जाए। इसके बाद यहां से अनुमति मिलने के बाद ही परीक्षण शुरू किया जाए।

भारत बायोटेक के अनुसार कोरोना से निदान के लिए विकसित की जा रही कोवैक्सीन के जानवरों पर किए जा रहे ट्रायल में बेहतर नतीजे आए हैं। आइसीएमआर और भारत बायोटेक की ओर से विकसित इस वैक्सीन के ट्रायल में मकाऊ बंदरों में प्रतिरोधक क्षमता में भारी वृद्धि देखने को मिली। कोवैक्सीन का टीका लगने के बाद इन बंदरों में न केवल वायरस से लड़ने की क्षमता विकसित हुई बल्कि नाक, गले में वायरस की वृद्धि में काफी कमी देखी गई। किसी भी बंदर में न्यूमोनिया के लक्षण भी विकसित नहीं हुए।

उल्लेखनीय है कोवैक्सीन का देश के 12 चिकित्सा संस्थानों में ट्रायल चल रहा है। ट्रायल के शुरूआती चरणों में इसके बहुत अच्छे नतीजे देखने को मिले हैं।

ड्रग केस में ठउइ की ताबड़तोड़ छापेमारी, अंधेरी से करमजीत सिंह गिरफ्तार

नई दिल्ली, पीटीआइ। सुशांत केस में ड्रग एंगल की जांच कर रही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो पूरे एक्शन में है। ड्रग पैडलर्स के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। इसी के तहत एनसीबी ने ड्रग मामले से जुड़े एक आरोपी करमजीत सिंह को मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके से गिरफ्तार किया है। इससे पहले एनसीबी ने मुंबई और गोवा में एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया। इस दौरान भारी तादात में ड्रग्स के सात 7 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। एनसीबी ने लगभग 4.5 किलोग्राम हेरोइन, 445 ग्राम कोकीन और 1.1 किलोग्राम मारिजुआना जब्त किया है, जिसे

छह पार्सल के माध्यम से भारत भेजा गया था। उधर, रिया ने एनसीबी के सामने लगभग 15 बॉलीवुड हस्तियों का नाम लिया है, जो ड्रग्स का इस्तेमाल करते हैं। ये सभी लोग अब एनसीबी के निशाने पर हैं।

विशेष अदालत ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स प्रकरण में गिरफ्तार अभिनेत्री रिया चक्रवती, उसके भाई शौविक तथा चार अन्य आरोपितों की जमानत अर्जियां खारिज कर दीं। इन सभी को एनडीपीएस एक्ट में नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गिरफ्तार किया है। फिलहाल ये सभी आरोपित न्यायिक हिरासत में हैं। एनसीबी के अनुसार रिया अपने भाई शौविक एवं सुशांत के पूर्व हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा तथा उसके पूर्व स्टाफ दीपेश सावंत के साथ ड्रग्स सिंडीकेट का हिस्सा थी।

वहीं, रिया ने अपनी जमानत अर्जी में दावा किया है कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है। वह एनसीबी द्वारा तीन दिनों तक पूछताछ के दौरान दर्ज किए कुबूलनामा से भी मुकर गई है। उसने दावा किया है कि एनसीबी अधिकारियों ने उसे खुद के दोषी होने संबंधी बयान देने के लिए मजबूर किया था। दूसरी ओर, एनसीबी ने जमानत अर्जियों का विरोध करते हुए दलील दी थी कि रिया इस बात से वाकिफ होते हुए भी कि राजपूत ड्रग्स लेते थे, वह ड्रग खरीदती रही।

एनसीबी का यह भी कहना था कि भले की बरामद ड्रग्स की मात्रा कम थी, लेकिन यह 1,85,200 रुपये मूल्य की व्यावसायिक मात्रा थी। एनसीबी ने जमानत अर्जियों पर जवाबी हलफनामे में कहा कि रिया और शौविक चक्रवर्ती ने सुशांत राजपूत के लिए उनके कहने पर ड्रग्स के इंतजाम किए और उसके पैसे चुकाए।

उड़ान के दौरान विमान में फोटो खींचने पर एयरलाइंस पर लगेगा दो हफ्ते का प्रतिबंध : डीजीसीए

नई दिल्ली, प्रेट्र। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उड़ान के दौरान विमान में फोटो खींचने पर सख्त चेतावनी जारी की है। डीजीसीए ने कहा कि ऐसा करने पर उड़ान सेवा को दो हफ्ते के लिए निर्लंबित कर दिया जाएगा।

दरअसल, अभिनेत्री कंगना रनोट की बुधवार को चंडीगढ़ से मुंबई की यात्रा के दौरान इंडियो की फ्लाइट में मीडियाकर्मियों द्वारा सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर उड्डयन नियामक ने जताई नाराजगी। महाराष्ट्र सरकार से तकरार को लेकर सुर्खियों में आईं कंगना से मीडियाकर्मी बात करना

चाहते थे और इस दौरान उनके बीच अफरा-तफरी मच गई थी। मुंबई में कंगना के दफ्तर को बृहन्मुंबई नगर पालिका ने तोड़ दिया है।

डीजीसीए ने इंडिगो एयरलाइंस से उड़ान के दौरान सुरक्षा और शारीरिक दूरी के मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा है। डीजीसीए ने कहा है कि आगे से नियमित उड़ान के दौरान अगर विमान में फोटोग्राफी की गई तो घटना के अगले दिन से संबंधित एयरलाइंस की उड़ान पर दो हफ्ते के लिए रोक लगा दी जाएगी।

डीजीसीए ने यह भी कहा है कि उड़ान सेवा तभी शुरू की जाएगी, जब एयरलाइंस नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करेगी। नियमों के मुताबिक डीजीसीए या नागरिक उड्यन विभाग की अनुमति के बिना उड़ान के दौरान विमान के अंदर या हवाईअड्डे के भीतर फोटो खींचना मना है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मासूम की मौत, 5 गंभीर रूप से घायल

गरीब परिवार पर टूटा कहर, एक ही पिता के तीन बच्चों में एक कि मौत दो गंभीर रूप से घायल

विद्यालय से परीक्षा देकर लौट रही छात्रा भी आई आकाशीय बिजली की चपेट में, गंभीर रूप से झुलसी

मासूम की मौत के बाद रोते बिलखते परिजन

हंड़िया। हंड़िया तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम सभा बीबीपुर में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक मासूम के मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई,जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हैं घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर करीब 2:00 बजे अचानक बारिश होने लगी और पेड़ के नीचे खेल रहे बच्चे बारिस से बचने के लिए पेड़ के नीचे बैठ गए और अचानक आकाशीय बिजली गिरने से अजय कुमार बिंद पुत्र धनराज बिंद उम्र करीब 12 वर्ष की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई और उसके दो भाई विजय कुमार उम्र 10 वर्ष श्याम सुंदर उम्र 8 वर्ष पुत्रगण धनराज बिंद निवासी ग्राम बीबीपुर थाना सराय ममरेज गंभीर रूप से घायल हो गए और गांव के ही दो अन्य बच्चे नैतिक उम्र 7 वर्ष अंकित उम्र 5 वर्ष पुत्रगण लालू प्रसाद बिंद निवासी बीबीपुर थाना सराय ममरेज और एक अन्य छात्रा कुमारी मंजू पुत्री पन्नालाल निवासी बौरी बोझ थाना दुगार्गंज जनपद भदोही जो की ऊपरदहा डिग्री कॉलेज उपरदहा हंडिया से स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा देकर घर वापस जा रही थी अचानक बारिश होने के कारण वह भी पेड़ के नीचे ठहर गई थी कि अचानक बज्रपात होने से वह भी गंभीर रूप से झुलस गई है। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को छोटेलाल हॉस्पिटल बरौत ले गए जहां डॉक्टरों ने अजय कुमार को मृत घोषित कर दिया और अन्य घायलों की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है बताया जाता है कि छात्रा मंजू की हालत गंभीर बनी हुई है वही मौके पर पुलिस प्रशासन राजस्व टीम मौजूद रही और पीड़ित को हर सम्भव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और सभी घायलों का इलाज चल रहा है ।

घायल विचाराधीन बंदी की मौत से परिजनों में मचा कोहराम

नैनी। केन्द्रीय कारागार नैनी बन्द दो विचाराधीन बन्दियों के बीच दो दिन पूर्व मारपीट हो गयी थी जिसमें एक बन्दी गंभीर घायल हुआ था उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया था जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी जिससे मृतक के परिजनों में कोहराम मचा रहा। बता दें कि घूरपुर थानाक्षेत्र के दानपुर निवासी अरविन्द पुत्र जगदेव व कौधियारा थानाक्षेत्र के सिमराई शक्तिनगर गांव निवासी ज्ञान सिंह पुत्र स्व राम बहादुर दोनों बीते कुछ वर्ष पूर्व अपराधिक मामले में केन्द्रीय कारागार नैनी में विचाराधीन बन्दी के रूप में चक्र संख्या पांच की बैरक संख्या दो में रखे गये थे गुरूवार की दोपहर को ज्ञान सिह चौचालय में शौच के लिए गया था तभी दूसरे बन्दी अरबिन्द कुमार ने शौचालय में लगे पत्थर को उखाडकर ज्ञान सिह के सिर पर वार कर दिया था जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था उसे उपचार के लिए एसआरएन में कारागार प्रशासन द्वारा दाखिल कराया गया था। शुक्रवार की देररात साढे ग्यारह बजे इलाज के दौरान ज्ञान सिह की मौत हो गयी। जिससे परिजनो में कोहराम मच गया इस सम्बन्ध में वरिष्ठ कारागार अधीक्षक प्रेम नाथ पाण्डेय ने बताया कि कागजी कोरम को पूरा करते हुए मृतक बन्दी के शव को परिजनों को सौंप दिया गया है।

हाईकोर्ट समाचार

डीएम के ड्राइवरों को नियमित न करने को चुनौती, जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कौशाम्बी में जिलाधिकारी के ड्राइवर पद पर जून 1997 से कार्यरत कर्मचारियों की सेवा नियमितीकरण मामले में राज्य सरकार से चार हफ्ते में जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति शशिकान्त गुप्ता तथा न्यायमूर्ति शमीम अहमद की खंडपीठ ने भगवान दीन व धर्मराज की विशेष अपील पर दिया है। मालूम हो कि 11 जून 97 में कौशाम्बी जिला बना। सरकार ने जिलाधिकारी को अंबेसडर कार व दो ड्राइवर की स्वीकृति दी। याचीगण को 12 सौ रुपए प्रतिमाह ड्राइवर पर रखा गया। 2002 में सेवा नियमित करने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया। जिसे नहीं माना गया और 2003 में भर्ती निकाली गई। जिस पर हाईकोर्ट ने सौ फीसदी आरक्षण देने के कारण रोक लगा दी। फिर से 2007 में पद भरने को विज्ञापन जारी किया गया। एक पद ओबीसी व दूसरा एससी के लिए आरक्षित था। जिसे चुनौती दी गयी। तर्क दिया गया कि दोनों पद आरक्षित नहीं किया जा सकता। पहले पद विज्ञापित नहीं हुआ था इसलिए इन पदों को बैकलाग नहीं मान सकते। लंबे समय से कार्यरत याचियों को नियमित किया जाय। हालांकि इसी विज्ञापन से धर्मराज ड्राइवर नियुक्त किया गया है। भगवान दीन को संग्रह अमीन का चपरासी नियुक्त किया गया है। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सौ फीसदी आरक्षण देने के कारण वर्ष 2003 व वर्ष 2007 की भर्ती रद्द कर दी। इससे एक याची की भी नियुक्ति निरस्त हो गयी। एकलपीठ के इस आदेश को विशेष अपील में चुनौती दी गयी है। याची अधिवक्ता का कहना है कि सेवा नियमित करने की नियमावली की स्थिति में सुप्रीम कोर्ट ने उमा देवी केस में अस्थायी कर्मी की सेवा नियमित करने की छूट दी है। जिस पर एकलपीठ के आदेश में विचार नहीं किया गया है। अपील की अगली सुनवाई 6 सप्ताह बाद होगी।

क्षेत्र पंचायत प्रमुख: अविश्वास प्रस्ताव की बैठक बुलाने के खिलाफ याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कोतवाली क्षेत्र पंचायत प्रमुख बिजनौर, तृप्ति रानी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की बैठक बुलाने की नोटिस पर हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जिलाधिकारी कोविड 19 की केन्द्र व राज्य सरकार की गाइडलाइन का पालन करते हुए मतदान की व्यवस्था करे। बैठक बडे.हाल या खुले मैदान में आयोजित की जाय। मतदान के समय जिलाधिकारी स्वयं या उनके प्रतिनिधि मौजूद रहें। कोर्ट ने ऐसी बैठकों के लिए राज्य सरकार को तीन हफ्ते में गाइडलाइन तैयार करने का भी निर्देश दिया है और क्षेत्र पंचायत प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की बैठक बुलाने की चुनौती याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति शशिकान्त गुप्ता तथा न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ ने तृप्ति रानी की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि गणतंत्रात्मक शासन प्रणाली में चुनाव व अविश्वास प्रस्ताव का विशेष स्थान है। जनतंत्र में लोगों की इच्छा सुप्रीम है। इसमें हस्तक्षेप कर इसे निरर्थक नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने कहा है कि जिसे बहुमत हासिल नहीं है, उसे पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। चुने हुए लोगों को बहुमत खो चुके व्यक्ति को पद से हटाने का अधिकार है। याची अधिवक्ता का कहना था कि जिलाधिकारी बिजनौर डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के नाम का उल्लंघन कर रहे हैं, इसे रोका जाय। याची के खिलाफ 21 अगस्त 20 को आये प्रस्ताव पर जिलाधिकारी ने तुरंत नोटिस जारी की और अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के लिए 15 सितंबर 20 को बैठक बुलाई है। याची अधिवक्ता का कहना था कि पंचायत में 185 सदस्य हैं। पेन्डेमिक के दौरान गाइडलाइन का उल्लंघन कर बैठक बुलाई गई है, जिसे रद्द किया जाय। सरकारी अधिवक्ता का कहना था कि विधानसभा बैठ रही है। छात्र परीक्षा दे रहे हैं। सुरक्षा उपायों के साथ काम हो रहा है। इस पर कोर्ट ने जिलाधिकारी को गाइडलाइन का पालन करते हुए कार्यवाई करने का निर्देश दिया है। आदेश की प्रति मुख्य सचिव को गाइडलाइन बनाने के लिए भेजने का आदेश दिया है।

दहेज हत्यारोपी सास ससुर के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज हत्या व उत्पीड़न के आरोपी सास-ससुर व अन्य को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने याची के विरुद्ध उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है और राज्य सरकार व विपक्षियों से चार हफ्ते में जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजूरानी चैहान ने राम कृष्ण यादव व अन्य की याचिका पर दिया है। मृतका का पति पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। याचिका पर अधिवक्ता का कहना था कि याची व विनीता यादव को झूठे आरोप में फंसाया गया है। याचिका में दाखिल चार्जशीट को रद्द किये जाने की मांग की गयी है। श्रीमती निर्मला देवी ने थाना चकेरी, कानपुर नगर में दहेज हत्या व उत्पीड़न के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करायी है। जिसमे दहेज उत्पीड़न कर बहू तेजस्विनी को आत्महत्या के लिए विवश करने का याचियों पर आरोप लगाया गया है। याची का कहना है कि उनका बेटा एयर फोर्स में असम में तैनात है। तेजस्विनी शादी के बाद से ही अपने पति के साथ रही है। ससुराल में नहीं रही। शादी के दो साल बाद 10 नवम्बर 19 को बीटीसी करने के लिए पति के साथ मायके आयी। इसके बाद फोन पर पति से झगडा हुआ। 23 नवम्बर 19 को तेजस्विनी ने मायके में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। और मृतक की मां ने पूरे परिवार को दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करायी है। याची का इस घटना से कोई सरोकार नहीं है।

डीपीआरओ पर सफाईकर्मी ने लगाए गंभीर आरोप

बैठक में उपस्थित स्वच्छाग्रही

करछना। इन दिनों डीपीआरओ प्रयागराज के द्वारा एसीपी लगाने के नाम पर सफाई कर्मियों से दो - दो हजार रुपये ले रहीं हैं । इसकी शिकायत पीड़ित करछना ब्लाक के सफाई कर्मी ने अनलाइन पोर्टल के जरिए मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ सिंह से की है। ब्लाक करछना मे अस्सी की सख्या के आसपास सफाई कर्मी विभिन्न ग्राम पंचायतों में सफाई के लिए तैनात किए गए हैं ।अधिकांश सफाई कर्मियों से प्रति एसीपी लगाने के नाम डीपीआरओ प्रयागराज रेनू श्रीवास्तव दो हजार रुपये वसूल किया जा रहा है, यही हाल अन्य ब्लाकों में तैनात सफाई कर्मियों के साथ ब्यापक पैमाने पर वसूली की जा रही है । जो भी कर्मी अगर गलती से इसका विरोध किया तों मान लीजिए कि उसकी शामत आगयी उसके ऊपर गाज गिरना तय है ।

कोविड 19 जैसी वैश्विक महामारी के बीच गांवो की गलियों से लेकर छिड़काव आदि साफ सफाई के बीच इन सफाई कर्मियों का प्रति माह समय पर वेतन का भुगतान भी लम्बित है । ऐसे छोटे से पद पर कार्यरत इन कर्मियों के साथ अधिकारी शोषण करने मे भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़रहे है ।करछना ब्लाक के अंतर्गत आने गांव में सफाई कर्मी मधुकर ने अपनी पीडा शिकायत में दर्ज कराते हुए कहा कि एसीपी लगाने के नाम डीपीआरओ प्रयागराज रेनू श्रीवास्तव दो हजार रुपये की मांग की थी जिसका उसने विरोध किया तों, उसका अन्य ब्लाकमें हस्तांतरण कर दिया गया, और दो माह से उसका वेतन भी रोक दिया गया है ।और वह टाइफायड से पीड़ित चल रहा है, कि सी एम से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है ।

स्वच्छाग्रही प्रोत्साहन राशि के लिए तीन वर्षों से भटक रहे हैं

करछना। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत विकास खंड करछना के अंतर्गत आने ग्राम पंचायतों में शौचालय बनाने के लिए लोगों में जागरूकता लाने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वच्छाग्रहियों की तैनाती की गई थी जो गांवो में उनके द्वारा प्रेरित होकर और उनकी देख रेख बनाएं गयें प्रति शौचालय पर उन्हे 150 रुपये की दर से दिया जायेगा और ओडीएफ गांव घोषित होने ग्यारह हजार रुपये उन्हे प्रोत्साहन राशि के रुप में दिए जायेंगे ।लेकिन तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी उन्हे प्रोत्साहन राशि नहीं नसीब हो सकी।

आकाशीय बिजली से महिला की मौत

महिला की मौत के रोते बिलखते परिजन व जुटी भीड़

करछना। थाना क्षेत्र के डांडो गांव में आकाशीय बिजली गिरने से घास काटने गई एक महिला की मौत हो गई। शनिवार को दोपहर में मौसम खराब होने से बारिश हो रही थी कि इसी बीच गांव निवासिनी सावित्री देवी 45 अपने पति जियालाल के साथ खेत में घास काटने गई थी उसी दौरान तेज गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली महिला के ऊपर गिर गई। बिजली गिरने से महिला बुरी तरह झुलस गई। घटनास्थल से कुछ दूरी पर मौजूद रहे पति जियालाल ने बिजली गिरने की आवाज सुनी तो दौड़ा लेकिन महिला बुरी तरह से झुलस गयी थी जिसे लेकर घर आया लेकिन तब तक महिला की सांसे थम चुकी थी। राजस्वकर्मियों ने प्राकृतिक आपदा के तहत मृतका व उसके परिवार का ब्यौरा लिया और रिपोर्ट तहसील प्रशासन को उपलब्ध कराया। मृतक महिला के तीन बच्चे हैं जिसमें यशवंत कुमारए अजीत कुमारए रवि कुमार है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अचानक हुए इस हादसे से परिजन काफी गमजदा है मृतक महिला के पुत्रों और पति का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

बेरोजगारी को लेकर भूमिहीन गरीब किसान मजदूरों ने किया विरोध प्रदर्शन

विरोध प्रदर्शन करते किसान मजदूर

घूरपुर। कोरोना महामारी लॉकडाउन के दौरान सरकार द्वारा राहत न देने के कारण भूमिहीन व गरीब किसान बड़ी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। पत्थर खनन मजदूरों के पास काम नहीं है। बालू खनन में गैरकानूनी ढंग से बोट के संचालन पर रोक लगा रखी है। जैसे-जैसे प्रवासी मजदूर वापस घर आए हैं, खेत मजदूरों की मजदूरी दर घट कर आधी रह गयी है। व्यापारी अपने खर्च नहीं निकाल पा रहे हैं। लोग भूखे हैं व बेरोजगार हैं, छात्र व युवा अशांत हैं।

बड़ी संख्या में भूमिहीन परिवारों की पट्टे की जमीनों पर बड़े जमींदारों व ट्रस्टों ने गैरकानूनी ढंग से कब्जा कर रखा है। जीवित रहने के लिए ये जमीने उन्हें वापस दी जानी जरूरी है।

एआईकेएमएस के नेतृत्व में से सभी सवाल एसडीएम बारा के समक्ष रखे जाएंगे और मांग की जाएगी की बालू खनन में नाव पर लगी रोक हटाई जाए; गांव में सभी लोगों के लिए मनरेगा का काम, जो पिछले 3 मास से पूरी तरह रुका हुआ है, चालू किया जाए; राशन में न्यूनतम जरूरत अनुसार प्रति यूनिट 15 किलो अनाज, 1-1 किलो दाल, तेल व चीनी दिया जाए; माइक्रोफाइनेन्स समेत किसानों के सभी कर्ज के ब्याज माफ किए जाएं व वसूली रोकी जाए; सभी किसानों, छोटे दुकानदारों व घरेलू उपयोगकताओं के कोरोना लॉकडाउन के समय का बिजली का बिल माफ किया जाए; कोरोना हिदायतों के साथ सभी स्कूल खोले जाएं, अस्पताल खोले जाए, गांव में डाक्टर भेजे जाएं। ये विरोध एआईकेएससीसी के आह्वान पर केन्द्र सरकार के 3 अध्यादेश, नया बिजली बिल और डीजल-पेट्रोल के दाम के वृद्धि के विरोध में किया जा रहा है। राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंप कर इन सभी कदमों को वापस लेने की मांग की जाएगी। इस बीच लागत के दाम तेजी से बढ़े हैं, जबकि किसानों का मिलने वाला दाम का समर्थन घटा है और बड़े व्यापारी सब्जियों की कम आपूर्ति व ऊँचे दाम लगाकर मुनाफा कमा रहे हैं। ये 3 अध्यादेश, बिजली व डीजल के बढ़े दाम विदेशी कम्पनियों व भारतीय कारपोरेटों को लाभ पहुँचाएंगे। ये कम्पनियां लागत की आपूर्ति, फसलों की किस्म नियंत्रित करेंगी, सरकारी सुरक्षा के आभाव में सस्ते में खरीदेंगी, मंहगा बेचेंगी, खाने का प्रसंस्करण व भंडारण करेंगी, सारी खाद्यान्न श्रृंखला पर कब्जा करेंगी और किसानों की आमदनी तथा लोगों की खाद्यान्न सुरक्षा को समाप्त कर देंगी। किसान मजबूती से महसूस करते हैं कि ये सारे कदम किसानों के साथ धोखाधड़ी हैं और ये विदेशी शोषकों को लाभ पहुँचाएंगे। विदेशी लुटेरों को आमंत्रित करने का आत्मनिर्भरता से कोई लेना देना नहीं है। इलाहाबाद एआईकेएमएस के महासचिव राज कुमार पथिक ने इन सवालों पर हरियाणा के किसानों के कल हुए प्रदर्शन पर दमन की कड़ी निन्दा की है।

'पोषण माह 2020' अभियान के तहत किया गया जागरूक

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा चलाये गए 'पोषण माह 2020' के तहत उनके अभियान को आगे बढ़ाते हुए शनिवार को महिला मोर्चा उत्तर प्रदेश की प्रदेश मंत्री डॉ0 कीर्तिका अग्रवाल जी के नेतृत्व में अलोपीबाग स्थित बस्तियों में रहने वालों के बीच कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें कुपोषण से बचने के उपाय बताए। डॉ0 कीर्तिका अग्रवाल ने स्थानीय महिलाओं एवं बच्चों को पोषण माह की जानकारी देते हुए बताया कि देश में कुपोषण की समस्या काफी गंभीर स्थिति में है. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के मुताबिक, भारत के 38 फीसदी बच्चों की लंबाई कम है. वहीं, 21 फीसदी बच्चों का वजन उनकी लंबाई के अनुपात में काफी कम है, जबकि 35 फीसदी से ज?यादा बच?चों का वजन कम है. इन सभी समस?याओं से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने 2018 में पोषण अभियान शुरू किया था. इसी क्रम में पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इन माह तीसरे राष?ट्रीय 'पोषण माह' 2020 की शुरूआत की है। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पर्याप्त पोषण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता में रहा है। कुपोषण वह अवस्था है जिसमें पौष्टिक पदार्थ और भोजन, अव्यवस्थित रूप से ग्रहण करने के कारण शरीर को पूरा पोषण नहीं मिल पाता है। चूँकि हम स्वस्थ रहने के लिये भोजन के जरिये ऊर्जा और पोषक तत्त्व प्राप्त करते हैं, लेकिन यदि भोजन में प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा, विटामिन तथा खनिजों सहित पर्याप्त पोषक तत्त्व नहीं

बस्ती के लोगों को कुपोषण के बारे में जागरूक करतीं डॉ0 कीर्तिका अग्रवाल

मिलते हैं तो हम कुपोषण के शिकार हो सकते हैं। कुपोषण तब भी होता है जब किसी व्यक्ति के आहार में पोषक तत्त्वों की सही मात्रा उपलब्ध नहीं होती है। अच्छा पोषण आपके बच्चे के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर शुरूआती वर्षों के दौरान। वैसे तो हर व्यक्ति को पौष्टिक भोजन लेना बहुत जरूरी होता है, लेकिन यह गर्भावस्था के समय में लेना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि इससे आपके बच्चे की सेहत भी जुड़ी होती है ।

बादलों की धमाचौकड़ी से मौसम हुआ सुहाना, बच्चों नें जमकर उठाया लुफ्त

करमा। करमा सहित कुशवाबारी, बगहा, बरौली, मनकवार, कोईलीतारा, दसई बंधवा, कांटी इत्यादि गाँवों में हल्की बारिश से आसपास का मौसम काफी खुशनुमा हों गया जिसके वजह से लोगों को उमस भरी गर्मी से थोड़ा सा राहत मिल गयी हैं ।शनिवार दोपहर को बारिश की रिमझिम फुहारों नें बच्चों को भी काफी आनन्द प्रदान किया ।क्षेत्र के कोईलीतारा स्थित गाँव के युवा किसान सुशील पटेल नें बताया कि बारिश न होनें के कारण धान सहित अन्य सब्जियों की फसल सूख रहीं हैं इन दिनों बिजली व्यवस्था भी काफी प्रभावित चल रहीं लोगों को लगा कि अच्छी बारिश से फसलों की सिंचाई हों जायेगी लेकिन वर्षा उम्मीद से काफी कम ही हुई साथ ही उन्होने यह भी जानकारी प्रदान किये कि बिजली में लो वोल्टेज की वजह से सिंचाई कार्य बिल्कुल भी नही हों पा रहा हैं ।

कुलदीप सिंह पीसीएस में नब्बे रैंक पर आए, बने इंस्पेक्टर

कुलदीप सिंह के परिजनों को बधाई देने पहुंचे लोग

मऊआइमा। मऊआइमा के ग्राम जयसिंहपुर निवासी कुलदीप सिंह पीसीएस में नब्बे रैंक लाने पर गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है । फिलहाल उन्हें आबकारी इंस्पेक्टर का पोस्ट मिला है । प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा क्षेत्र के ग्राम जयसिंहपुर निवासी कुलदीप सिंह पुत्र स्वर्गीय ईश्वरपाल सिंह पीसीएस की पहली परीक्षा में नब्बे रैंक पर आ कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। । कुलदीप सिंह की उम्र तकरीबन 27 वर्ष है । उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव से शुरू हुई। वह लखनऊ से बीटेक किए फिर प्रयागराज आ कर पीसीएस की तैयारी करने लगे। जहां उनको सफलता मिली। कुलदीप सिंह अविवाहित हैं उनके पिता का स्वर्गवास हो जाने पर उनके बडे भाई रणविजय सिंह जो इस समय सीआरपीएफ में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं । छोटे भाई कुलदीप सिंह के अरमानों को पूरा किए । माता सरस्वती सिंह बहन एंव परिजनों और ग्राम प्रधान ओमप्रकाश सिंह तथा ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई । और मिष्ठानों का वितरण कर ग्रामीणों ने कुलदीप सिंह के परिजन को बधाइयां दे रहे हैं ।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना साबित हो रही मील का पत्थर

प्रयागराज। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से शहरी क्षेत्र में 2022 तक सभी झुग्गी बस्ती या गैर झुग्गी बस्ती में निवासरत पात्र परिवारों-लाभार्थियों को आवास प्रदान किये जाने का लक्ष्य है। इसके माध्यम से जनपद में अब तक 17641 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसमें 11438 लोग पात्र पाए गए है। पात्र लोगों के सापेक्ष 10043 लोगो को इस योजना का लाभ अब तक प्राप्त हो चुका है। यह जानकारी पीओ डूडा श्रीमती वर्तिका सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से देते हुए बताया है कि योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पात्र परिवारों को नये आवास के निर्माण अथवा मौजूदा आवास के सुधार-विस्तार के लिए कुल रुपए 2.50 लाख प्रति आवास की सहायता दी जाती है। जिसमें 1.50 लाख केन्द्र एवं एक लाख राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाते है। यह योजना लाभान्वित परिवारों के जीवन में एक नया उजाला लेकर आयी है।

पूर्व सांसद अतीक अहमद के अवैध कमर्शियल निर्माण पर चला बुल्डोजर

प्रयागराज। पूर्व सांसद अतीक अहमद के कमर्शियल अवैध निर्माण पर शनिवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण का बुल्डोजर चला। अतीक द्वारा फ्री होल्ड भूमि पर इस निर्माण को वर्ष 2006 में शुरू कराया था। वहीं, मानिकपुर थाना क्षेत्र के बुलाकीपुर गांव में शुक्रवार को जमीन की रंजिश में अनुसूचित जाति के कुनबे पर गुर्गों के साथ हमला करना समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष को महंगा पड़ गया। जबकि, कोरोना के मामले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े लोग। शनिवार को 343 नए कोरोना पॉजिटिव केस मिले हैं।

अवैध निर्माण ढहाता जेसीबी व मौजूद प्रशासनिक अधिकारी

पूर्व सांसद अतीक अहमद के कमर्शियल अवैध निर्माण पर शनिवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण का बुल्डोजर चला। अतीक द्वारा फ्री होल्ड भूमि पर इस निर्माण को वर्ष 2006 में शुरू कराया था। हालांकि किन्ही कारणों से मामला हाईकोर्ट में चला गया था। प्राधिकरण को मानचित्र शुल्क न जमा किए जाने के कारण बाद में इसे अवैध निर्माण घोषित कर ध्वस्तीकरण आदेश पारित कर किया गया था। यह निर्माण सिविल लाइंस में हाई कोर्ट हनुमान मंदिर के पास हुआ है। करोड़ों रुपये की इस अवैध संपत्ति पर पुलिस प्रशासन के नेतृत्व में पीडीए द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई है। मौजूदा स्ट्रक्चर 2 तल का है, लेकिन जिस हिसाब से पिलर तैयार किए गए हैं, उससे यह प्रतीत होता है कि 4 तल तक निर्माण कराए जाने योजना थी।

गगनयान भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण : डॉ सिवन

ट्रिपल आईटी का 15वॉ दीक्षांत समारोह ऑनलाइन आयोजित

ट्रिपल आईटी का दीक्षांत समारोह में उपस्थित अतिथिगण

प्रयागराज। गगनयान भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह देश की विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षमता को बढ़ावा देगा। उक्त विचार अंतरिक्ष विभाग के सचिव और अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष डॉ. के सिवन ने शनिवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के 15वें ई-दीक्षांत समारोह में संबोधित करते हुए व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि डॉ. सिवन ने कहा कि भारत जैसे देश में वर्ष 1960 में अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू करना एक बड़ा ही उन्मादी विचार था। लेकिन डॉ.विक्रम साराभाई ने भारत को बदलने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की क्षमता का अनुमान लगाया। जब पूरी दुनिया सैन्य वर्चस्व के लिए लड़ रही थी तब डॉ. साराभाई ने सोचा कि भारत जैसे विशाल आकार और विविधता वाले देश के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी द्वारा ही इसका विकास कर सकते हैं। इसका परिणाम आज हम सभी के समक्ष है। उन्होंने बताया की हमारे जीवन में का हर एक पल कही न कही अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के साथ जुड़ा हुआ है। आज जब हम मानव अंतरिक्ष यान में प्रवेश करने और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के दायरे का विस्तार करने पर विचार कर रहे हैं तो वास्तव में हम डॉ. साराभाई के दृष्टिकोण को साकार कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों की घोषणा की है, जिससे निजी क्षेत्र का प्रवेश अंतरिक्ष कार्यक्रम को एक नयी दिशा देने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। ये सुधार निजी क्षेत्र को स्टार्ट-अप के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी अंतरिक्ष मिशन शुरू करने की अनुमति देंगे। जिससे नवाचार, तकनीकी विविधता और मानव संसाधन विकास हो सके। इन सारे प्रयासों से भारत के अंतरिक्ष उद्योग की निचली रेखा में सुधार होने की अपार संभावना है।

डॉ. सिवन ने आगे कहा की भारत गरीब नहीं है। भारत की अर्थव्यवस्था मामूली जीडीपी से सातवीं सबसे बड़ी है और क्रय शक्ति समानता में तीसरी सबसे बड़ी है। हम दूध उत्पादन में पहले स्थान पर हैं। देश सुदूर संवेदन उपग्रहों में नंबर एक पर हैं। हम गेहूं और चावल के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक हैं। हमारा आईटी उद्योग दुनिया में काफी लोकप्रिय है। उन्होंने कहा हालांकि पिछली आधी सदी में हुई प्रगति के बावजूद, हमारे पास अभी भी गरीबी और भुखमरी को कम करने, अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं और स्वच्छता साबित करने, स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने आदि के अनसुलझे मुद्दे हैं। उन्होंने सभी छात्रों को इन समस्याओं को हल करने में पूरी ईमानदारी से काम करने के लिए आगे आने का आवाहन किया। इन समस्याओं का समाधान किसी और के द्वारा नहीं किया जाएगा उसके लिए हम सभी को हाथ बढ़ाना पड़ेगा।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद के निदेशक प्रो. पी. नागभूषण ने कहा कि सफलता कोई मंजिल नहीं है। यह एक निरंतर यात्रा है। सफलता प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत की वजह से है। वैश्विक महामारी के दौर में संस्थान आनलाइन माध्यम से अपने विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान कर रहा है जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि संस्थान के छात्रों का सेवायोजन लगभग सौ प्रतिशत रहा। कुल 196 छात्र-छात्राओ में 191 को प्लेसमेंट द्वारा चयनित हो चुके हैं। संस्थान में 83 कंपनियों ने भ्रमण किया। इस वर्ष का औसत वेतन पैकेज रु. 22.5 लाख प्रति वर्ष रहा हैं। आईटी के छात्र को रु. 43 लाख का पैकज अधिकतम रहा, जबकि इलेक्ट्रानिक्स कम्युनिकेशन इंजी. छात्र का 32 लाख रहा। बताया कि ड्यूल डिग्री वाले 49 छात्रों में 44 का सेवायोजन हो गया जबकि एमटेक के 96 छात्रों में 75 छात्रों का सेवायोजन हुआ।

इस अवसर पर कुल 403 छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गयी। बी.टेक (आईटी 2016)-145, बी.टेक (आईटी 2015)-02 और बी.टेक बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन इंजी 2016) के 66, बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन इंजी 2015)-01 को उपाधि प्रदान की गयी। इसके अलावा एम.टेक (आईटी) के 85, एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन इंजी) के 13, एम.टेक (बी.आई) के 7, एमबीए के 16 को उपाधि प्रदान की गयी। ड्यूल डिग्री बीटेक आईटी-एमटेक आईटी के 50, ड्यूल डिग्री बीटेक एमबीए के 8 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की गयी। इसके अलावा पीएचडी के नौ और एमटेक-पी.एचडी पूरा करने वाले एक छात्र को उपाधि से अलंकृत किया गया।

इसके अलावा चेयरमैन स्वर्ण पदक, वैभव श्रीवास्तव, डा.टी.सी.एम पिल्लई स्मृति स्वर्ण पदक बी.टेक आईटी-2016 की छात्रा गरिमा चड्ढा, नोबेल वैज्ञानिक प्रो. क्लाउड कोहेन तानोजी स्वर्ण पदक बी.टेक आईटी-2016 की छात्रा तान्या अग्रवाल, प्रो. डा. इंग मथियास क्लेनर स्वर्ण पदक बी.टेक आईटी-2016 के छात्रा निहारिका श्रीवास्तव, प्रो. जौली कोहेन तानोजी स्वर्ण पदक एम.टेक बीआई-2018 की छात्रा शिवानी गुप्ता को सम्मानित किया गया। इसके अलावा मेरिट सर्टीफिकेट आवर्ड प्रथम स्थान पर आयुषी अस्थाना तथा ड्यूल डिग्री एम.टेक पीएच.डी के छात्र राजेश कुमार झा को प्रदान किया गया।

एसआरएन कोविड अस्पताल के नोडल समेत 343 नए संक्रमित मरीज मिले

प्रयागराज। कोरोना के मामले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े लोग। शनिवार को 343 नए कोरोना पॉजिटिव केस मिले हैं। इसमें स्वरूपरानी नेहरू कोविड अस्पताल के नोडल व सीनियर फिजिशियन भी शामिल हैं। वह पिछले सप्ताह ही अस्पताल में कोविड के नोडल बनाए गए हैं। इसी अस्पताल की महिला चिकित्सक भी कोरोना संक्रमित हुई हैं जो पिछले काफी दिनों से कोरोना योद्धा बनकर कोविड वार्ड की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। इसी तरह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर व शहर की बड़ी रेडियोलॉजिस्ट भी कोरोना से संक्रमित हो गई हैं। अन्य संक्रमित मिले मरीजों में मऊआइमा थाने के एसआइ, एजी ऑफिस के सेक्शन आफिसर, बिशप जानसन कॉलेज के एकाउंटेंट, एनटीपीसी मेजा के सुपरवाइजर, सुबेदारगंज रेलवे हेड क्वार्टर के एसओ, रेलवे के सिविल इंजीनियर, नगर निगम जोनल तीन के जोनल आफिसर, एसडीएम कोरांव के ड्राइवर, सेंट्रल स्कूल के शिक्षक समेत अन्य लोग शामिल हैं। कोविड 19 के नोडल डॉ.ऋषि सहाय ने बताया कि एसआरएन के नोडल समेत बड़ी संख्या में लोग पॉजिटिव आए हैं। इसके अलावा शनिवार को छह मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। 3535 सैंपलों की रिपोर्ट निगेटिव आई है जबकि 2365 संभावित लोगों के सैंपल लिए गए हैं। कोरोना से मरने वालों की संख्या अब 200 के पार पहुंच चुकी है। कोरोना मरीजों की कुल संख्या 13979 है।

शकुंतला अस्पताल के निदेशक की मौत

शकुंतला अस्पताल के निदेशक डॉ. अनुपम जायसवाल का शनिवार को मेदांता अस्पताल लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल के मैनेजर राकेश तिवारी ने बताया कि वह फेफड़े में संक्रमण से ग्रसित थे, उनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव थी। डॉ. जायसवाल के निधन के पर इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन समेत शहर के डॉक्टरों में शोक है।

इस्लामिक आतंकवादी ड्रग माफियाओं को बचा रही उद्धव सरकार : पवन

प्रयागराज। कंगना रनौत के कार्यालय को बीएमसी द्वारा गिराए जाने के विरोध में भाजपा कार्यकताओं ने शनिवार को कटघर चैराहे पर प्रदर्शन करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का पुतला फूंका। कहा कि इस्लामिक आतंकवादी ड्रग माफियाओं को उद्धव सरकार बचा रही है। कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए भाजपा पार्षद पवन श्रीवास्तव ने कहा कि पुत्र मोह में धृतराष्ट्र की भूमिका में महाराष्ट्र मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, सुशांत सिंह राजपूत की हत्या में दोषियों और ड्रग माफिया को बचाने के लिए महाराष्ट्र सरकार तरह तरह के हथकण्डे अपना रही है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक आतंकवादियों का गढ़ बन चुके बॉलीवुड के जेहादियों के इशारे पर उद्धव ठाकरे सरकार काम कर रही है और राष्ट्र विरोधी शक्तियों को बचा रही है। पार्षद रुचि गुप्ता ने कहा कि भारत देश में नारी सदैव देवी के रूप में पूजी जाती है और महाराष्ट्र सरकार द्वारा नारी के ऊपर चतुर्मुखी आक्रमण करना न्याय उचित नहीं है। इस अवसर पर योगी सत्यम महाराज, पूर्व पार्षद नीरज गुप्ता, विहिप नेता विनोद सोनकर, संदीप चौहान, राजू माली, अंकित सोनकर, पवन केसरवानी, विष्णु पांडेय, विनीत गुप्ता आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उद्धव ठाकरे का पुतला दहन करते हुए

हम सत्ता के सहारे राष्ट्र का पुनर्निर्माण कर रहे हैं : मीना चौबे

प्रयागराज। भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती मीना चैबे ने शनिवार को कार्यकताओं को पाथेय देते हुए कहा कि हमारी पार्टी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कार्यकताओं के निर्माण एवं उसके विकास के लिए करती है। क्योंकि कार्यकर्ता ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है और उन्हीं के संघर्ष एवं त्याग के बल पर हम आगे बढ़ कर राष्ट्रवाद के सपने को साकार कर रहे हैं। कहा कि हम सत्ता को सेवा के रूप में लेकर राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी महानगर प्रयागराज के तत्वावधान में आयोजित शहर पश्चिमी विधानसभा के प्रशिक्षण वर्ग वर्चुअल कार्यक्रम में उन्होंने आगे कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश का प्रधानमंत्री तक बन सकता है। लेकिन अन्य दलों में ऐसा नहीं है। क्योंकि उनके लिए उनका परिवार ही पार्टी है और हमारे यहां हमारी पार्टी ही परिवार है। हमारे नेता निर्णय लेने में सक्षम हैं जिसका परिणाम है हमारे दुश्मन देश आज हमसे लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है।

सैदाबाद पुलिस ने बीस से अधिक लोगों का किया चालान

सैदाबाद। कस्बे में बिना मास्क लगाये घूम रहे दो पहिया वाहन सवारो को सैदाबाद पुलिस ने चालान किया। इस दौरान बीस से अधिक बाइक सवारो को मास्क ना लगाने पर चालान किया गया। सैदाबाद चौकी इंचार्ज अरूण कुमार मौर्य ने बताया कि कस्बे वासियो से कोरोना टेस्ट कराने की अपील लगातार की जा रही है। कई लोग नियमो की अनदेखी कर रहे है। कोरोना से लड़ना है तो सभी को साथ आना होगा। लाउडस्पीकर के माध्यम से स्थानीय लोगो व राहगीरो को कोरोना से बचने की सलाह पुलिस दे रही है।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक
स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

फिसलकर गिरे बाइक सवार, हालत गंभीर

हादसे के बाद मौके पर जुटी भीड़

शंकरगढ़। सड़क पर मिट्टी और पानी जमा होने के कारण शनिवार को बाइक सवार दो युवक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को सीएचसी शंकरगढ़ से प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया गया है। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के गेट के सामने आज दोपहर हुआ। जानकारी के मुताबिक नगर पंचायत शंकरगढ़ के चिकान टोला निवासी गोल्ची (30) पुत्र बाबूलाल और मोदीनगर निवासी सुरेश 24 पुत्र विश्राम किसी काम से मोटरसाइकिल लेकर बाहर गए थे। दोनों वापस घर लौट रहे थे।दोपहर पीपीजीसीएल पॉवर प्लांट के पास स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के गेट के सामने बाइक फिसल गई और दोनों गिर पड़े। सिर पर गंभीर चोट लगने से वहीं बेहोश हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर 112 एंबुलेंस ने घायलों को सीएचसी शंकरगढ़ पहुंचाया। शंकरगढ़ में प्राथमिक उपचार के उपरांत दोनों को जिला मुख्यालय के लिए रेफर कर दिया गया है। बताया जाता है कि गोल्ची को सिर में गंभीर चोट आई है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। बताते चलें कि उक्त स्थान पर मिट्टी जमा होने के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं।

अर्पण कार्यक्रम में पहुंची महापौर छात्राओं को किया सम्मानित

नैनी। लाला राम इंटर कालेज में शनिवार को महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने अर्पण कार्यक्रम में सम्मिलित हुई। अर्पण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण लेने वाली छात्राओं द्वारा कोविड 19 से बचने हेतु तीस से पैंतीस हजार मास्क तैयार कर कोरोना के बचाव के लिए स्कूल, विद्यालय तथा जरूरत मंद लोगो में वितरित किया गया । महापौर के द्वारा उक्त सेंटर में जाकर कर मास्क बनाने में सहयोग किया। अर्पण योजना के अंतर्गत कोविड 19 ऑनलाइन कला प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी प्राप्त करने वाली छात्राओं को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही विघालय परिसर में पौधरोपण किया गया। इस दौरान प्रबंधिका प्रतीक्षा अग्रवाल, अनुज अग्रवाल मौजूद रहे। वहीं राजन तिवारी दुकान जी और भगवत कुशवाहा को प्रशस्ति पत्र भी दिए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य कुशल सिंह एवं अध्यक्षता अनुज अग्रवाल ने किया। इसी प्रकार वैश्विक महामारी कोरोना के बढ़ते प्रकोप के दृष्टिगत मधवापुर, सब्जी मंडी से चुंगी तक से डाट के पुल तक दोनों ओर स्थित दुकानदारों रेहड़ी, ठेला, सब्जी विक्रेताओं में लगभग 2500 मास्क का वितरण किया गया और संक्रामक रोग कोरोना वायरस से बचाव के लिए पत्रक वितरण कर जागरूक किया गया। लोगों से सामाजिक दूरी बनाए रखने मास्क लगाने तथा समय-समय पर हाथ धोने व सैनिटाइज करने का आग्रह किया गया।

मऊआइमा थाने का दरोगा सहित फिर मिले आठ कोरोना पाजिटिव

मऊआइमा। कोरोना का कहर लगातार जारी है।इसका सबसे ज्यादा प्रभाव पुलिस पर पड रहा है । थाने के इंस्पेक्टर, चालक, दो सिपाही के बाद आज सब इंस्पेक्टर संक्रमित पाए गए हैं । जिससे पुलिसकर्मियों में हडकंप मचा हुआ है। कोरोना संक्रमण कम होने का नाम नहीं ले रहा है।बल्कि रोजमर्रा इसकी संख्या बढती जा रही है।

मऊआइमा में कोरोना का कहर बरपा है । मऊआइमा थाने के इंस्पेक्टर और चालक तथा दो सिपाही कोरोना संक्रमण से जूझ रहे थे कि। थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर सुमित कुमार त्रिपाठी टेस्टिंग के बाद शनिवार को कोरोना संक्रमित पाए गए। जिससे पुलिसकर्मियों में हडकंप मचना तय है।इसी तरह मऊआइमा के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना का कहर लगातार जारी है। कोई दिन ऐसा नहीं गुजर रहा है। जिस दिन पाजिटिव न मिलते हों । स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा बताया गया था कि ग्राम विश्म्भरपुर में अमित 30 ग्राम नजरपुर में जयप्रकाश 36 वष, ग्राम पसियापुर में पप्पू 38 वर्ष, ग्राम छपाईबाग निवासी लल्लू राम 35 वर्ष, रामनगर निवासी राजेन्द्र 20, रिता तथा मलाक पयागी के गनेश 20 वर्ष कोरोना पाजिटिव पाए गए हैं। सभी पाजिटिवों को होम क्वालंटाइन कर दिया गया है।

कोरोना संक्रमित महिला का निजी अस्पताल में कर रहे थे पेट दर्द का इलाज

शंकरगढ़। नारीबारी के सुरवल चन्देल में एक महिला की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने से पूरे बाजार और आसपास के क्षेत्रो में हड़कंप मच गया। शंकरगढ़ क्षेत्र के नारीबारी सुरवल चन्देल खीरी रोड निवासी गौरी पाठक 55 वर्ष पत्नी नेब्बू लाल पाठक को कई दिनों से पेट मे दर्द था। जिनका नारीबारी रींवा रोड़ के एक निजी हांस्पिटल में इलाज किया गया। स्थिति बिगड़ने पर गुरुवार को डाक्टर के जबाव देने पर स्वरूपरानी में भर्ती कराया गया। जिसकी रिपोर्ट शुक्रवार शाम को कोरोना पाजिटिव आने से क्षेत्र में हड़कम्प मच गया। शनिवार को तहसील से कुछ लोग पहुंच कर घर को सील कर दिया और परिवार के अन्य सदस्यों को होम कवारेन्टीन कर दिया। उक्त जानकारी महिला के पुत्र ने दिया। पहले से भर्ती रही नारीबारी के निजी अस्पताल के मरीजों और परिजनों मे भी महिला की रिपोर्ट पाज़िटिव आने की सूचना पर दशहत है।

अखण्ड भारत सन्देश

प्रयागराज रविवार, 13 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

महाभारत : सत्य व अहिंसा का मार्ग

सभी आध्यात्मिक ग्रंथ-महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता, पतंजलि योग दर्शनम्, होली बाइबिल, रामायण, रामचरित मानस, पैगम्बर गौतम बुद्ध की शिक्षा, पैगम्बर महावीर स्वामी की शिक्षा, पैगम्बर संत कबीर की शिक्षा, पैगम्बर नानकदेव की शिक्षा, पैगम्बर मोहम्मद साहब की शिक्षा आदि क्रियायोग विज्ञान की टेक्स्ट बुक है। इन सभी सद्ग्रंथों में महाभारत में विस्तार से आत्मदर्शन की प्रविधि का वर्णन है। महाभारत के अंदर श्रीमद्भगवद्गीता मेडुला की तरह नाभि केन्द्र है जिसमें सम्पूर्ण ज्ञान संक्षेप में केन्द्रित है ।

श्रीमद्भगवद्गीता में निहित सत्य की अनुभूति के पश्चात् ब्रह्माण्ड के सभी रूप व नाम में निहित सत्य का अनुभव हो जाता है । क्रियायोग ध्यान के द्वारा निर्विकल्प समाधि में प्रवेश करने पर सत्य की अनुभूति शीघ्रता से हो जाती है । ऐसी अवस्था में स्पष्ट हो जाता है कि केवल अहिंसा का अस्तित्व है, हिंसा व मृत्यु जो दिखायी पड़ती है, स्वप्न की तरह है। यह अनुभव कर लेना ही सत्य की अनुभूति है और इस अनुभूति को आत्मदर्शन व प्रभु का साक्षात्कार भी कहते हैं। अहिंसा तत्व निराकार (अदृश्य) व साकार (दृश्य) दोनों रूपों में व्याप्त है। इसको अच्छी तरह समझने के लिए जल तत्व (पानी - २०) एक सरल व अच्छा उदाहरण है ।

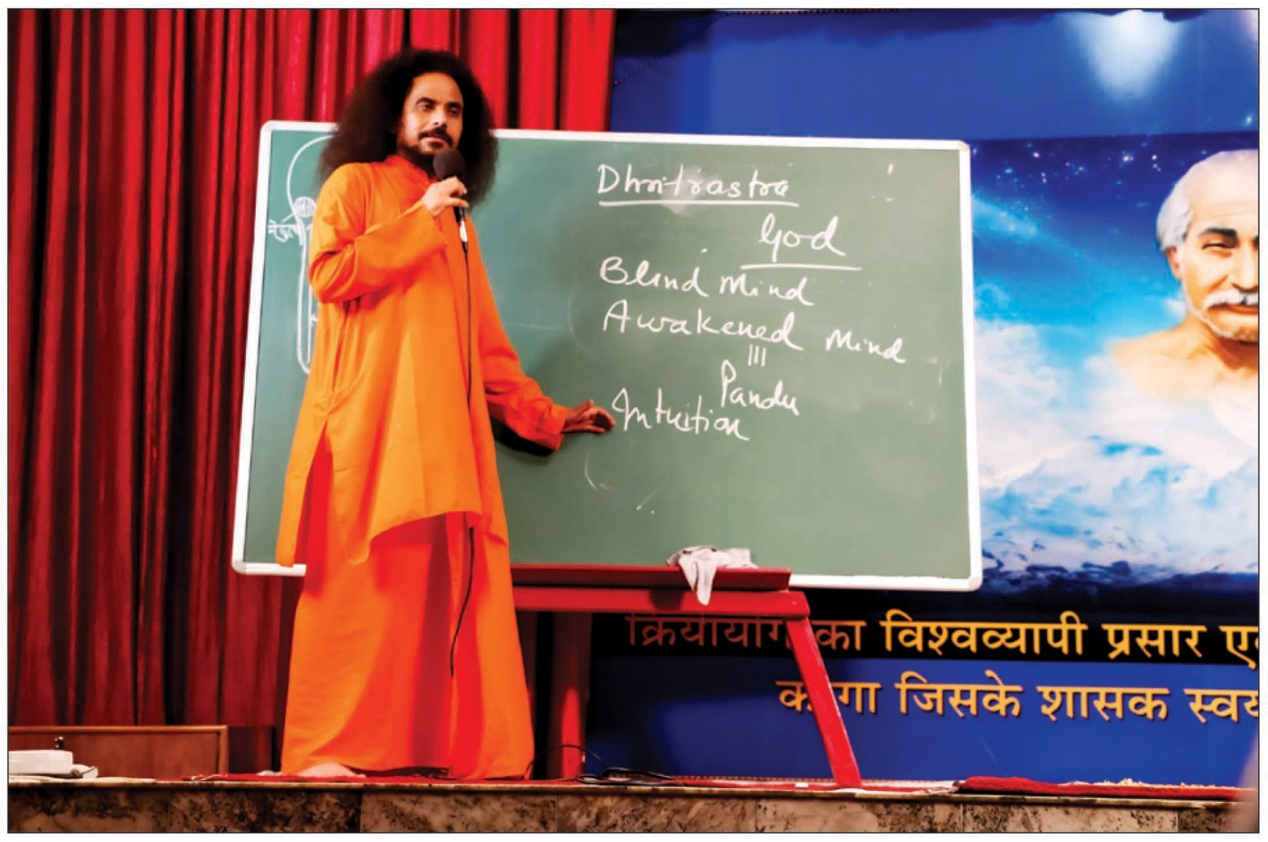

आइए, जल तत्व के स्वरूप को समझें

जल तत्व जिसे हम इन्द्रियों से अनुभव करते हैं, का सृजन हाइड्रोजन ऑक्सीजन तत्व से हुआ है। हाइड्रोजन, ऑक्सीजन दोनों तत्वों को हम इन्द्रियों के द्वारा अनुभव नहीं कर पाते हैं। इससे स्पष्ट है कि निराकार (हाइड्रोजन व ऑक्सीजन) साकार (पानी) के रूप में भी विद्यमान है। इसी तरह जितनी भी दृश्य रचनाएँ हैं, जिन्हें हम साकार कहते हैं, वे सभी निराकार रूप में भी व्याप्त हैं। मौलिक रूप से साकार व निराकार तत्व में भेदन हीं है। क्रियायोग ध्यान से जैसे-जैसे चेतना उर्ध्वगामी होती है साकार-निराकार के बीच भेद समाप्त होने लगता है। क्रियायोग का पूर्ण ज्ञान होते ही साकार-निराकार के बीच भेद पूरी तरह समाप्त हो जाता है। इस अनुभूति के बाद मनुष्य को पता चल जाता है कि मृत्यु का अस्तित्व नहीं है। मृत्यु का अनुभव अविद्या के कारण होता है। अविद्या को ही अज्ञान कहते हैं।

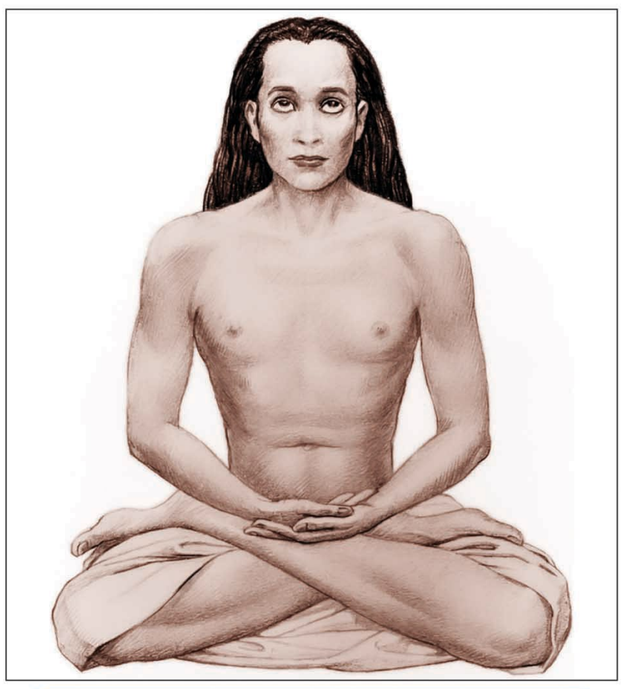

क्रियायोग का अभ्यास अविद्या से विद्या की ओर यात्रा

ज्ञान तत्व को विद्या कहते हैं । क्रियायोग विज्ञान ज्ञानतत्व का विशिष्ट रूपहै। जिस स्थान पर क्रियायोग विज्ञान की शिक्षा दी जाती है उसे विद्यालय कहते हैं । ''विद्यालय'' 'विद्या' और 'आलय' दो शब्दों से मिलकर बना है । विद्या का अर्थ ज्ञान और आलय का अर्थ स्थान या घर से है । विद्यानुभूति को ही सत्य अनुभूति कहा गया है। सत्य अनुभूति में स्पष्ट होता है कि अणु-परमाणु माया का रूप है। ब्रह्माण्ड में जो परिवर्तन दिखायी देता है, जैसे-बीज का परिवर्तन पेड़ में तथा पेड़ का बीज में, अण्डे का परिवर्तन पशु-पक्षी व जानवर में तथा पशु-पक्षी व जानवर का परिवर्तन अण्डे में, उसे माया कहते हैं। मनुष्य का स्वयं का स्वरूप माया का एक अलौकिक उदाहरण है। मानव शरीर भ्रूण के रूप में प्रकट होता है। फिर भ्रूण रूपान्तरित होकर शिशु, किशोर, यौवन, प्रौढ़ व वृद्ध तक अनेक अवस्थाओं में प्रकट होता है। क्रियायोग के अभ्यास से माया पर नियंत्रण होता है और वे मनुष्य जो माया पर नियंत्रण कर लेते हैं, उन्हें ऋषि-मुनि कहते हैं। ऋषि-मुनि जब तक चाहते हैं दृश्य रूप में बने रहते हैं। अनेकों ऋषि-मुनि आज भी हजारों वर्ष से शरीर को दृश्य रूप में बनाये रखने में सफल हैं। क्रियायोग विज्ञान जो प्रचीनतम्, नवीनतम् व पूर्ण आध्यात्मिक विज्ञान है, को मृत्युंजय श्री महावतार बाबा जी ने पुनः प्रकट कर मानव को आत्मज्ञान पाने के दुरूह मार्ग को सरल कर दिया है। मृत्युंजय श्री महावतार बाबा जी अपने भौतिक शरीर को युग युगान्तर से धारण करते आ रहे हैं। बाबाजी की आध्यात्मिकअवस्था मानव कल्पनातीत है। वह अबोधगम्य है। श्री महावतार बाबा जी युग के अनुकूल सभी का मार्ग दर्शन करते हैं।

Mahabharat - A Path of Truth & Non-violence

Mahabharat, The Bhagavad Gita, Patanjal Yoga Darshanam, Holy Bible, Ramayan, Ram Charit Manas, the teachings of Prophets - Buddha, Mahaveer Swami, Kabir Das ji, Guru Nanak Dev ji and Mohammed are textbooks of Kriyayoga Science. Shrimad Bhagavad Gita is the medulla (nucleus - Naabhikendra) of Mahabharat.

Anyone who experiences Truth contained in the verses of Gita will be able to experience Truth behind all names and forms. Ultimate Truth that only Immortal Consciousness exists is experienced by all Kriyayoga Masters who have attained Nirvikalpa samadhi. Mortal consciousness cannot exist. Immortal Consciousness exists in both states - visible and invisible. Mortal Consciousness does not and cannot exist. To understand this well, let us take the good and simple example of water (H20).

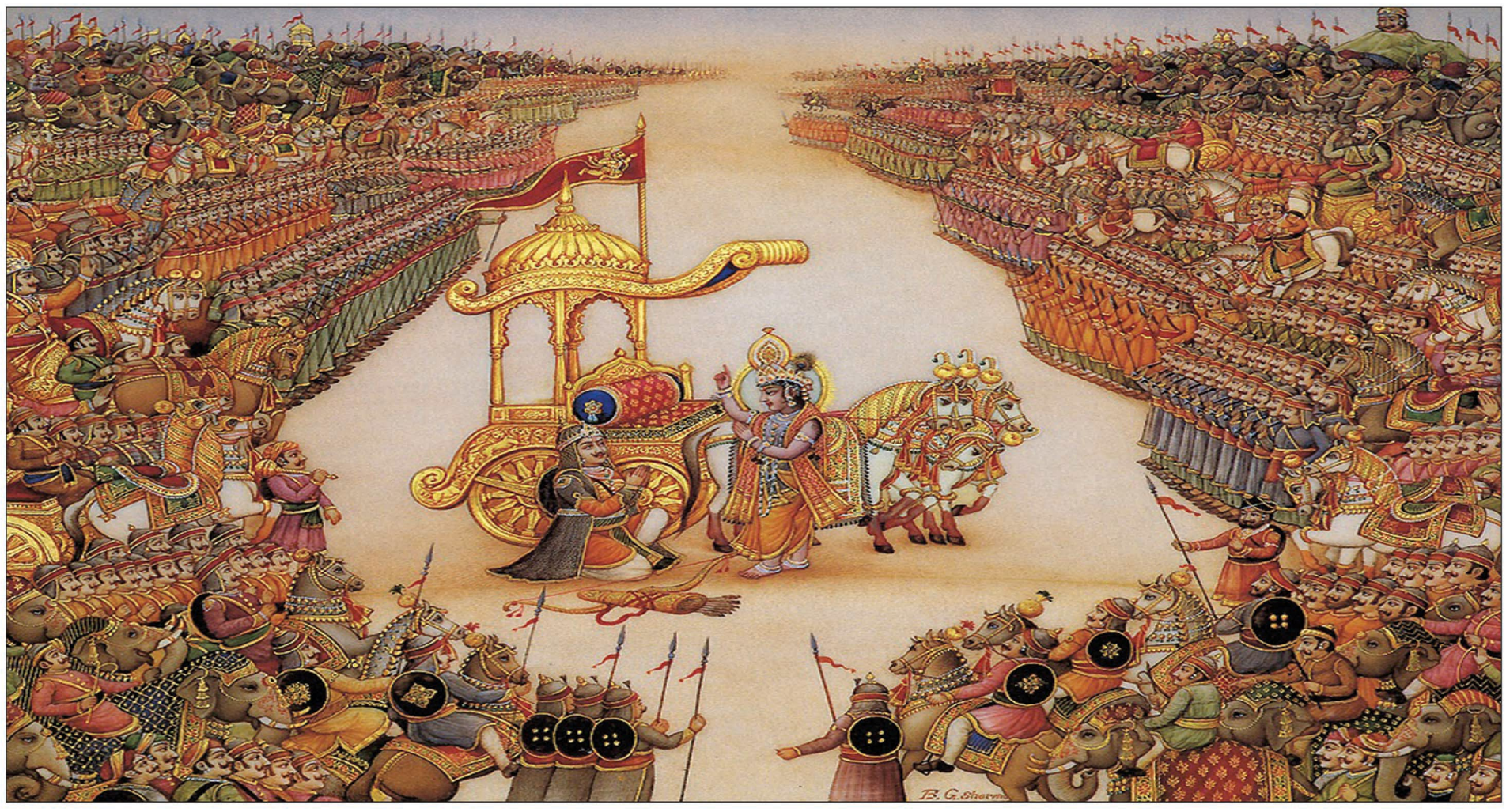

Let Us Understand The Nature Of Water-The Creative constituents of water - hydrogen and oxygen are invisible to the human eyes and the same hydrogen and oxygen appear in the visible form, which we have named as water. In the same way, all visible structures are manifestations of their invisible forms. Our human eyes are unable to realize this Truth. Through the various experiments, wisdom and intelligence discovered the ultimate Truth that there is no distance in between visible and invisible creation.

Through Kriyayoga practice, we transform the visible structure - human body into some special structure. Through that we experience the Truth that both visible and invisible have the same structure and components. This realization brings the perception of Truth that there is no death. Realization of death is because of ignorance (avidya).

Kriyayoga Practice Removes Avidya And Brings Realization Of Vidya- Vidya is known as true knowledge. Kriyayoga Science is aunique formof true knowledge. The places where Kriyayoga Science teachings are given are known as vidyalaya. Vidyalaya is made up of two words - vidya and alaya where alaya means house (home or place). Vidya is Consciousness of Truth, which brings the realization that atoms and molecules, en masse are called maya or the Lord's illusionary power. Maya means any structure, which demonstrates the phenomena of change. The visible human body is a special structure which demonstrates a continuous change from the zygote up to all phases of existence - infancy, childhood, adolescence, adulthood , senior years, etc... . One day, the visible form disappears and becomes invisible but does not undergo process of destruction. Our human body represents a good example of maya.

Kriyayoga practice brings the complete knowledge of how to control maya. The Rishis and Munis of ancient civilization were able to control maya and were therefore able to keep their body for thousands of years. The re-discoverer and synthesizer of Kriyayoga Science - Mahavatar Babaji, is still holding his visible form after many thousands of years. In the ascending Dwaapara Yuga, the Great Guru Babaji's mission is to assist the dissemination of Kriyayoga on this earth to hasten the spiritual evolution of human beings. MahavatarBabajinever openly appeared in any century amongst crowds and always works in humble obscurity. He always veils himself from the gross public gaze and has the power to become invisible at will.